



॥ ध्यानमूलं गुरुमूर्तिः पूजामूलं गुरुर्पदम् ॥
॥ मन्त्रमूलं गुरुवाक्यं मोक्षमूलं गुरुर्कृपा ॥

गुरुपूर्णिमा महा मांगल्यप्रद पवित्र प्रसंगे गुरुहरि संतभगवंत साहेबजीने साष्टांग प्रणाम !